

तहसीलदार श्रीमाधोपुर वनायक श्रीमहाशय

तारीख हुक्म


हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

५१०५४

दिनांक - 3/2025

25.06.2025

पत्रावली वास्ते निर्णय/आदेश मूल प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 131, 132 एल.आर.एक्ट हेतु आज पेश हुई। प्रार्थी की ओर से सरकारी पैरोकार उपस्थित व वकील अप्रार्थीगण भी उपस्थित। प्रकरण में तहसीलदार श्रीमाधोपुर ने दौराने बहस अवगत कराया कि भूमिधारी तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा भिजवाये गये प्रचलित रास्ता के प्रस्ताव में कृषि भूमि खसरा नम्बर 878, 875, 876, 921/1, 921/2, 868, 867, 855, 865, 927, 866 तन् ग्राम कंचनपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर में प्रस्तावित किया गया प्रचलित रास्ता कंचनपुर-कोटडी (सिमारला) सडक से जाखडों की ढाणी - नालोट/जोरावर नगर रास्ते में जाकर मिलता है, जो मौके पर आवागमन हेतु चालू है। प्रस्तावित प्रचलित रास्ते को संलग्न नक्शा ट्रेस में लाल स्याही से दर्शाया गया है। उक्त प्रस्ताव पर अधिकांश खातेदारान् के द्वारा सहमति बतौर अपने हस्ताक्षर अंकित किये गये है तथा जिन खातेदारान् के द्वारा सहमति बतौर हस्ताक्षर अंकित नहीं किये गये है। उन खातेदारान् की सुनवाई की जाने हेतु न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किये गये थे। जिस पर खातेदारान् अप्रार्थीगण कालूराम, बोदूराम, श्रवण पुत्रगण नारायण, भोमाराम, नरेश पुत्रगण मखनलाल, दुर्गादेवी पत्नि कालूराम, रामूराम पुत्र महादेव, मुकेश पुत्र सुवाराम की ओर से श्री अनिल यादव, एड० ने उपस्थित होकर जवाब पेश किया। शेष अप्रार्थीगण की तामील जरिये रजिस्टर्ड डाक से करवाई जाने के बावजूद हाजिर अदालत नहीं आने पर शेष अप्रार्थीगण के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। प्रस्तावित प्रचलित रास्ता कदीम से चालू होकर वर्तमान में भी चालू है। जिसको आम जन सार्वजनिक उपयोग-उपभोग में आवागमन के रूप में काम में आ रहा है। उक्त प्रचलित रास्ता सार्वजनिक प्रयोजनार्थ काम में आ रहा है। तहसीलदार श्रीमाधोपुर ने प्रार्थना पत्र प्रचलित रास्ता को स्वीकार करने बाबत निवेदन किया।

वही दौराने बहस वकील अप्रार्थीगण  अवगत कराया कि तन् ग्राम कंचनपुर के भूमि खसरा नम्बर 875, 878 पश्चिमी तरफ स्थित भूमि खसरा नम्बर 796, 798 तथा उत्तरी तरफ

उपखण्ड अधिकारी  
श्रीमाधोपुर (सीकर)

श्रीमाधोपुर (सिमाव) पुल बनाने का काम

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तालीम में  
जारी हुए

पत्रावली

3/3/2025

स्थित भूमि खसरा नम्बर 877 के खातेदारान् काश्तकारान् व अन्य खातेदारान् काश्तकारान् ने अपनी भूमियों में अप्रार्थीगण की भूमियों की सीमा को दबाते हुए अतिक्रमण कर रखा है। इसलिए न्यायहित में प्रचलित रास्ता का विधिवत् रूप से सीमाज्ञान करवाकर दोनों तरफ के खातेदारान् काश्तकारान् की भूमियों में से बराबर-बराबर भूमि कायम करते हुए रास्ता प्रचलित पर जिन-जिन खातेदारान् का अतिक्रमण उनकी भूमि से अधिक सीमा में पाया जाता है तो उसको हटवाया जाकर ही प्रचलित रास्ता को राजस्व रिकार्ड व राजस्व नक्शा ट्रेस में दर्ज/तरमीम करवाये जाने बाबत अवगत कराया है। प्रचलित रास्ता के दोनों तरफ के खातेदारान् काश्तकारान् की भूमियों का विधिवत् तरीके से सीमाज्ञान करवाया जाकर दोनों तरफ के खातेदारान् काश्तकारान् की भूमियों में से बराबर-बराबर नाप अनुसार भूमि ली जाने एवं इसके उपरान्त ही प्रचलित रास्ता राजस्व रिकार्ड व राजस्व नक्शा ट्रेस में दर्ज-तरमीम किये जाने के आदेश भूमिधारी तहसीलदार को दिये जाने का निवेदन अपनी बहस में किया है।

हमने प्रकरण में सरकारी पैरोकार तहसीलदार श्रीमाधोपुर व वकील अप्रार्थीगण की बहस ध्यानपूर्वक सुनी गई। पत्रावली पर पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात् का अवलोकन किया गया। जिनके अवलोकन से स्पष्ट है कि भूमिधारी तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा राजस्व ग्राम कचनपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर के भूमि खसरा नम्बर 878, 875, 876, 921/1, 921/2, 868, 867, 855, 865, 927, 866 में से प्रस्तावित किया गया प्रचलित रास्ता कचनपुर-कोटडी (सिमारला) सड़क से जाखडों की ढाणी - नालोट/जोरावर नगर रास्ते में जाकर मिलता है, जो मौके पर आवागमन हेतु चालू होना गुगल मैप व सरपंच ग्राम पंचायत कचनपुर की रिपोर्ट से भी प्रमाणित होता है। उक्त प्रस्तावित प्रचलित रास्ते को राजस्व नक्शा ट्रेस में लाल रखाही से दर्शाया जाकर उक्त प्रस्ताव पर अधिकांश खातेदारान् के द्वारा उक्त रास्ते को राजस्व रिकार्ड में 10 गु0 रास्ता कटवाने हेतु सहमति बतौर अपने हस्ताक्षर अंकित किया जाना प्रकट होता है। जो खातेदार जिनके द्वारा प्रचलित रास्ते

3/3/25

नवम्बर 1991 र श्रीमाधोपुर जिला न्यायालय

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

श.पू.

श.पू.

3/2025

हेतु सहमति बतौर हस्ताक्षर अंकित नहीं किये गये है। उनको सुनवाई हेतु न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किये जाकर उनको समुचित सुनवाई का अवसर दिया जाना प्रकट होता है। भूमि खसरा नम्बर 878, 875, 876, 921/1, 921/2, 868, 867, 855, 865, 927, 866 में से मौके पर मौजूद प्रचलित रास्ता जो आवागमन हेतु सार्वजनिक उपयोग में आ रहा है तथा उक्त रास्ता राजस्व रिकार्ड में दर्ज रिकार्ड नहीं है। उक्त रास्ता निजी खातेदारी भूमि में से होकर है। उक्त प्रचलित रास्ता को राजस्व रिकार्ड में अंकन कराने हेतु राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 131 एवं 132 तथा भू राजस्व अभिलेख नियम 1957 के नियम 58, 59, 60 एवं 86 के प्रावधानों के तहत प्रस्ताव तैयार कर इस न्यायालय को भिजवाये गये है जिस पर अधिकांश खातेदारान् सहमत है। जहाँ तक अधिवक्ता अप्रार्थी खसरा नम्बर 878, 875 की भूमियों पर अतिक्रमण का प्रश्न है। नक्शा ट्रेस से स्पष्ट है कि उक्त दोनों खसरान् भूमियों की पश्चिमी सीमा पर प्रस्तावित रास्ता प्राचीन समय से प्रचलित डॉटेड रास्ते पर ही प्रस्तावित किया गया है तथा तहसीलदार रिपोर्ट में भी उक्त स्थान पर ही रास्ता चालू दिखाया गया है। अतः अतिक्रमण की आपत्ति निराधार प्रतीत होती है। इस प्रकार प्रस्तावित प्रचलित रास्ते के अंकन बाबत आपत्ति के निराधार होने तथा मौके पर कदीम काल से प्रचलित रास्ते जिस हेतु अधिकांश खातेदारान् द्वारा सहमति स्वरूप अपने हस्ताक्षर किये जाने से तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा भिजवाये गये प्रस्ताव को न्यायहित में स्वीकार किया जाना उचित समझते हैं।

अतः तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 131 एवं 132 तथा भू राजस्व अभिलेख नियम 1957 के नियम 58, 59, 60 एवं 86 के प्रावधानों के तहत भिजवाये गये प्रस्ताव को न्यायहित में स्वीकार किया जाता है तथा रास्ता राजस्व रिकार्ड में दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार श्रीमाधोपुर को निम्नानुसार दिये जाते हैं :-

राजस्व ग्राम कचनपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला स्वीकर के भूमि खसरा नम्बर 878 रकबा 1.31 हेक्टर में से 0.03

34

